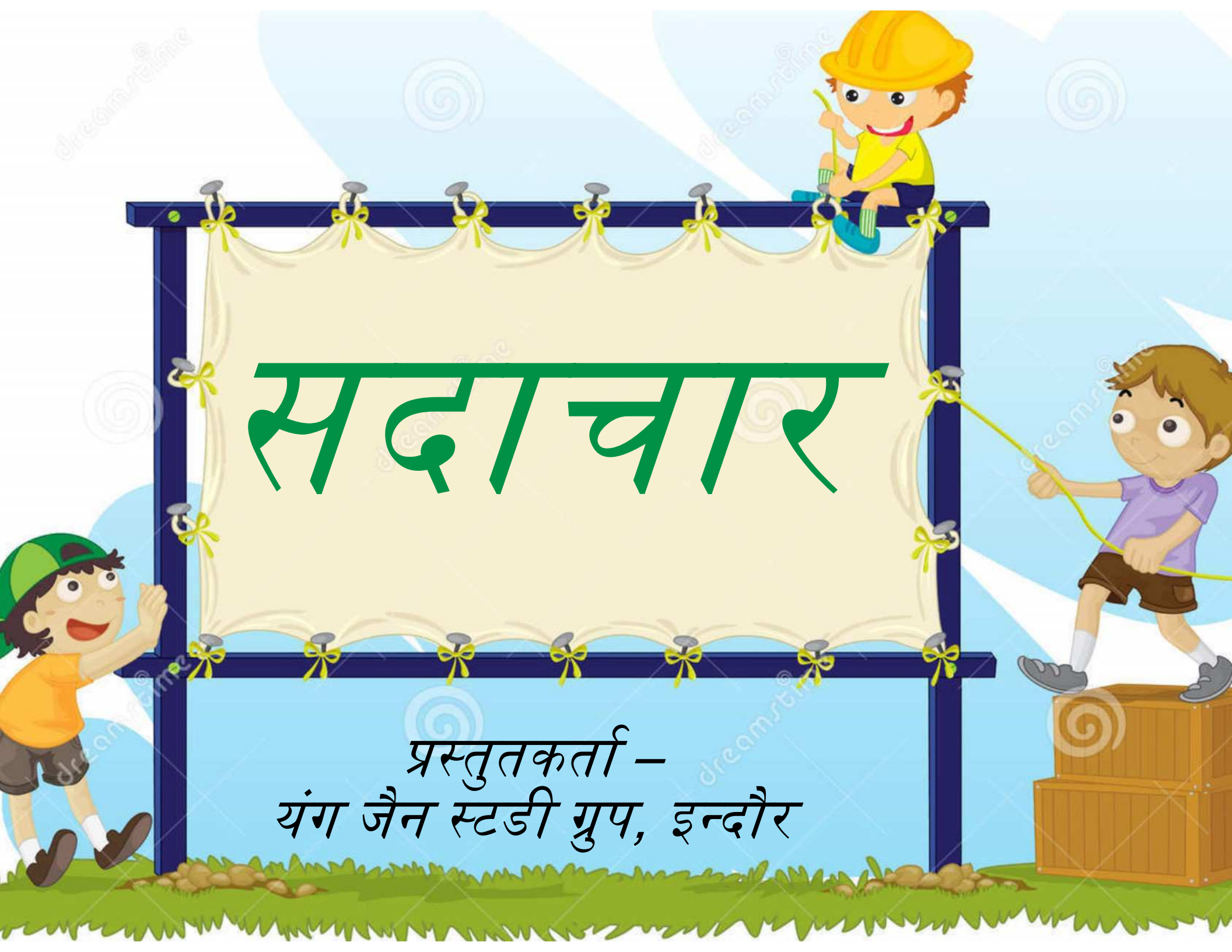
सदाचार
प्रस्तुतकर्ता –
यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

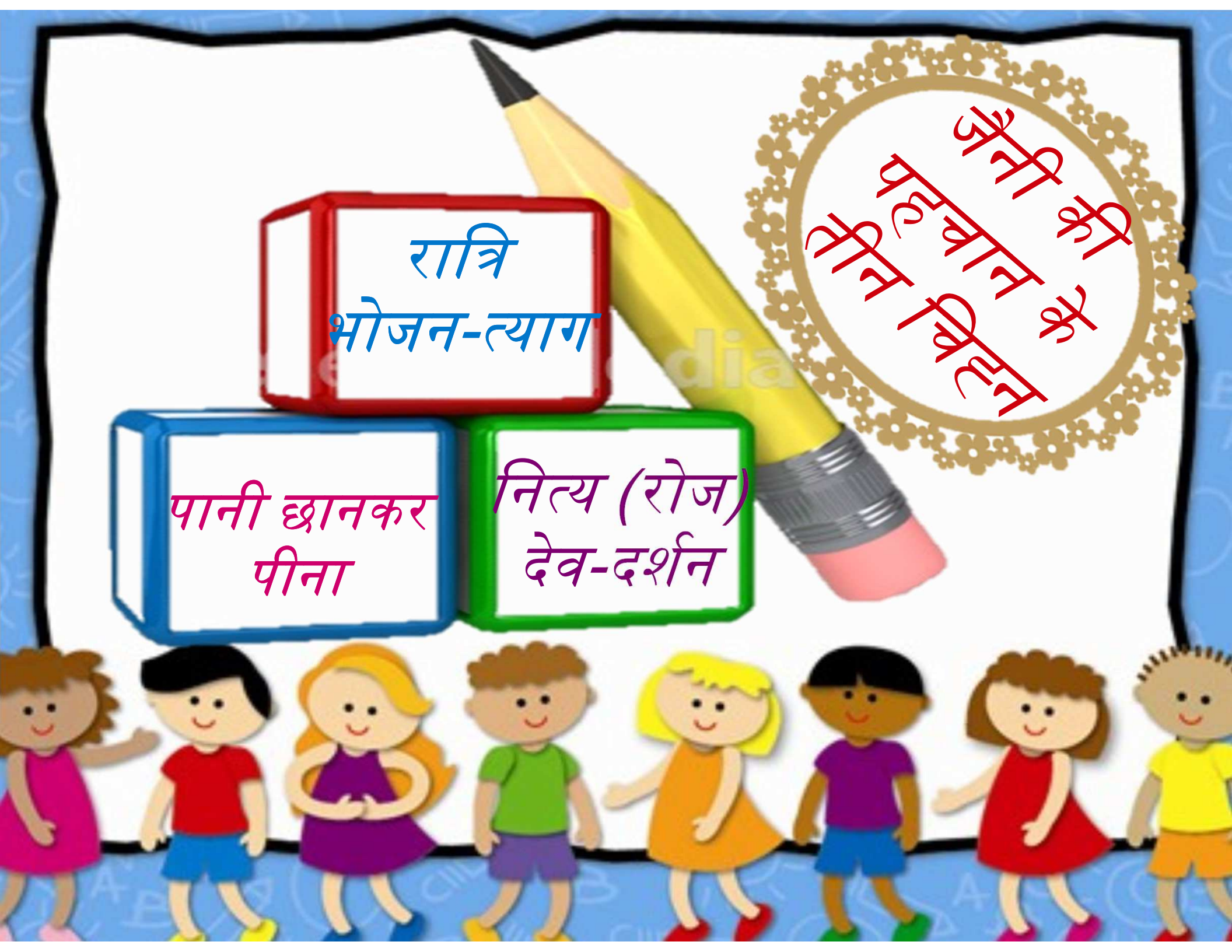
जैनी की पहचान के तीन चिह्न
रात्रि भोजन-त्याग
पानी छानकर पीना
नित्य (रोज) देव-दर्शन

रात्रि भोजन त्याग

रात्रि मतलब

- शाम को सूर्यास्त के बाद
- सुबह सूर्योदय के पहले

घडी के समय से रात्रि नहीं मानी जाती है

रात्रि भोजन के दोष

द्रव्य-हिँसा

Light नहीं जलाने से बडे जीव मर जाते है
Light जलाने से भी हिँसा होती है
रात में विशेष जीव-उत्पत्ति होती है
बहुत से जीव रात में ही गमन करते हैं प्रकाश के प्रेम से अग्नि के पास आते हैं शमशान से भी ज्यादा होमित होते हैं

रात्रि भोजन के दोष

भाव-हिंसा

आसक्ति ज्यादा होने से राग की तीव्रता

अत्यागपना

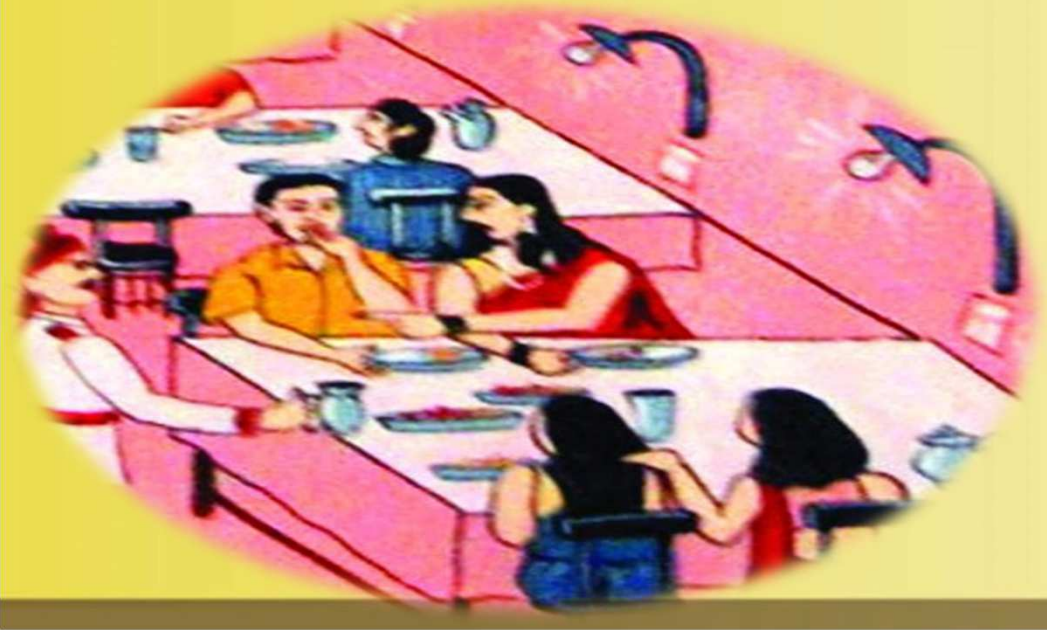

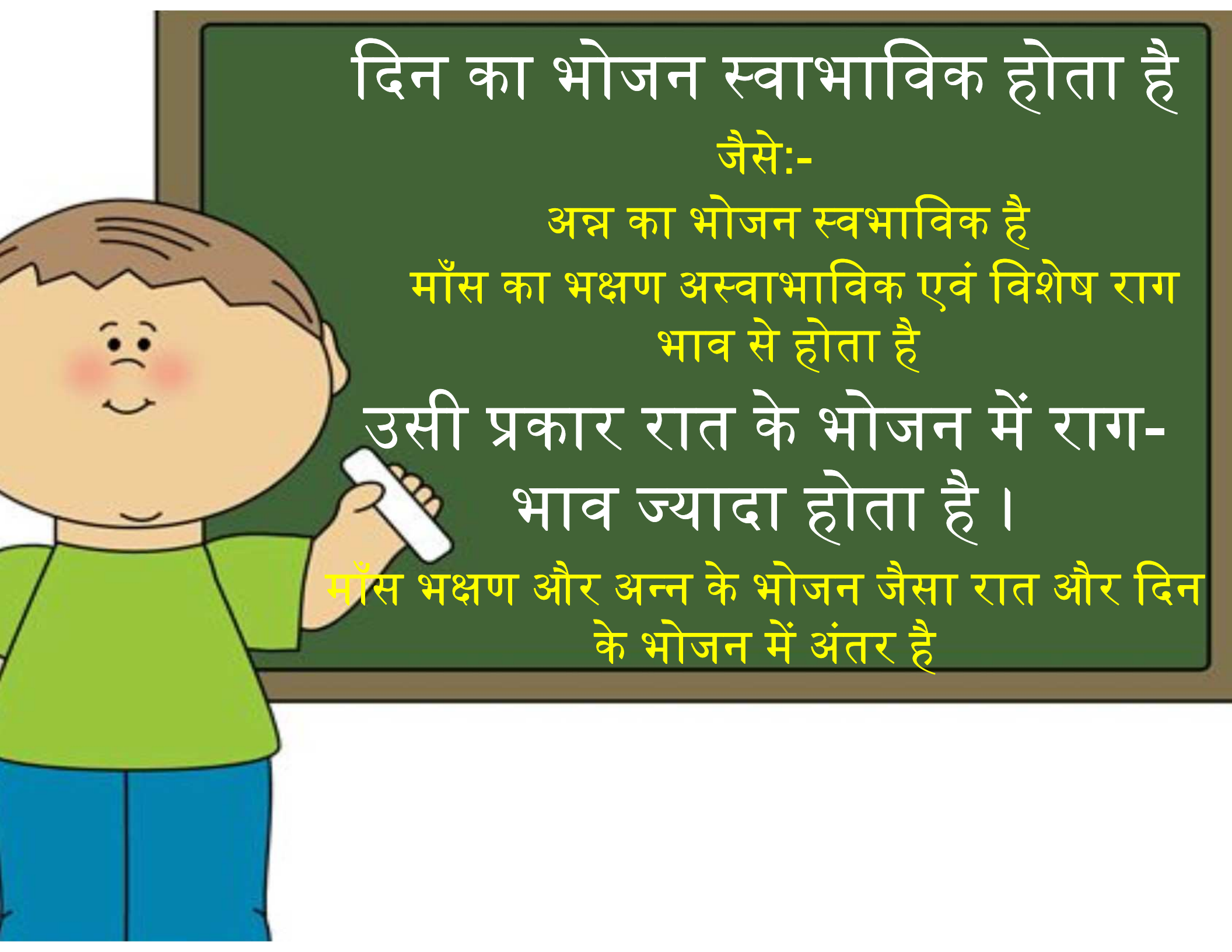
दिन का भोजन स्वाभाविक होता है
जैसे:-
अन्न का भोजन स्वभाविक है
माँस का भक्षण अस्वाभाविक एवं विशेष राग भाव से होता है
उसी प्रकार रात के भोजन में राग-भाव ज्यादा होता है ।
माँस भक्षण और अन्न के भोजन जैसा रात और दिन के भोजन में अंतर है

विशेष

दिन में भी जहाँ प्रकाश न हो वहाँ भोजन नहीं करना चाहिये

वर्षा ऋतु में
श्वान की कथा

रात्रि का बना हुआ दिन में नहीं करना चाहिये

दिन का बना हुआ रात्रि में नहीं करना चाहिये

रात्रि भोजन-त्याग में क्या त्यागें ?

स्वयं ४ प्रकार के आहार का त्याग करें

रात्रि-भोजन से नुकसान

माँस शरीर में जानें से अनेक रोग होते हैं

पर-भव में नरक,निगोद की प्राप्ति होती है

दिन-रात आरंभ करने पर परिवार में दुःख बना रहता है

धर्मसेवन, शास्त्र-अभ्यास, जाप, सामायिक आदि का समय नहीं मिलता

रात्रि-भोजी के कोई व्रत, तप नहीं होता है

रात्रि भोजन-त्याग का फल
एक वर्ष में आधे माह के उपवास का

अनछना
पानी

पानी के उपयोग संबंधी विचार

स्वयं छानकर पीवें

दूसरों को भी छानकर पिलावें

अन्य कार्यों में भी छानकर काम में लें

अनछना पानी - जीवहिंसा

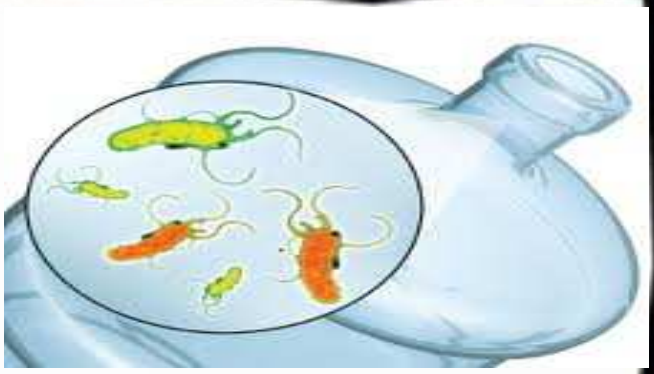

अनछने पानी की एक बूँद में असंख्यात जीव होते हैं

Microscope से 36500 जीव देखे गये हैं, जो आकाश में उडती धूल जैसे दिखाई देते है

अनछने पानी का उपयोग करने पर उन जीवों की हिंसा हो जाती है, जिससे हमें पाप का बंध होता है

अनछना पानी के उपयोग से नुकसान

उन जीवों का शरीर पीने से अनेकानेक रोग उत्पन्न होते हैं

१ चुल्लू अनछने पानी की ढोलने से १ गाँव के मारने के समान पाप लगता है

अनछने पानी का उपयोग रक्त के उपयोग के समान है

अतः पानी हमेशा छानकर ही उपयोग में लाना चाहिये

पानी कैसे छानें?

मोटे दोहरे सपाट कपडे से
बर्तन के मुख से तिगुना लम्बा चौडा
नवीन कपडा
बिलछनी उद्गम स्थान पर पहुँचावें

पानी की मर्यादा

छने पानी की मर्यादा	४८ मिनिट
पानी में लोंग, सौंफ आदि डालने पर	६ घंटे
गर्म पानी	१२ घंटे
उबला पानी	२४ घंटे